भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. - 5*

02 फरवरी, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

बिहार और झारखंड में आयुष को बढ़ावा देना

*5. श्री मनोज तिवारी:
डॉ. निशिकांत दुबे:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) बिहार और झारखंड में जहां जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर निर्भर करता है, आयुर्वेद और आयुष की अन्य पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए किए गए/किए जाने हेतु प्रस्तावित प्रयासों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) बिहार और झारखंड में स्थापित किए जाने वाले प्रस्तावित योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी आदि से संबंधित संस्थानों और प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

लोक सभा में 02 फरवरी, 2024 को पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या 5* के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): आयुष मंत्रालय, बिहार और झारखंड सहित देश में आयुर्वेद और आयुष की अन्य पद्धतियों के विकास और संवर्धन के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केन्द्रीय प्रायोजित योजना को कार्यान्वित कर रहा है और उनकी राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) में प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। एनएएम अन्य बातों के साथ-साथ देश में आयुष पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित कार्यकलापों हेतु प्रावधान करता है-

i. आयुष स्वास्थ्य एवं वेलनेस केंद्र
ii. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना
iii. मौजूदा एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन
iv. मौजूदा सरकारी/पंचायत/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन/मौजूदा आयुष औषधालय (किराए पर/जीर्ण-शीर्ण आवास) के लिए भवन का निर्माण/ नए आयुष औषधालय की स्थापना के लिए भवन का निर्माण
v. 50/30/10 बिस्तरों तक के एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना
vi. राजकीय आयुष अस्पतालों, राजकीय औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थागत आयुष अस्पतालों को जरूरी दवाइयों की आपूर्ति
vii. आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम
viii. आयुष स्नातकपूर्व संस्थानों और आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास
ix. उन राज्यों में नए आयुष महाविद्यालयों की स्थापना जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है

एनएएम के तहत, बिहार और झारखंड की राज्य सरकारों से एसएएपी के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, आयुर्वेद और अन्य आयुष पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए वर्ष 2014-15 से 2022-23 तक बिहार और झारखंड के लिए क्रमशः 11551.33 लाख रुपये और 18538.06 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

इसके अलावा, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 21 जून, 2019 को प्रभात तारा, रांची, झारखंड में 5वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम का नेतृत्व किया। मुख्य कार्यक्रम में लगभग 30,000 लोगों ने भाग लिया।

(ख): जन स्वास्थ्य राज्य का विषय है और बिहार तथा झारखंड में योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी आदि से संबंधित संस्थानों और प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना करना संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के कार्यक्षेत्र में आता है। तथापि, जिन राज्यों में सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थाओं की उपलब्धता अपर्याप्त है, वहां एनएएम के अंतर्गत, 50/30/10 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना और नए आयुष कॉलेजों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान है। तदनुसार, राज्य सरकार एसएएपी के माध्यम से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करके वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती है। एनएएम के तहत, एसएएपी के माध्यम से बिहार और झारखंड राज्य सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, अनुमोदित एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थिति **संलग्नक** पर दी गई है।

*****

संलग्नक

एनएएम के तहत, अनुमोदित एकीकृत आयुष अस्पताल की स्थिति

राज्य का नाम	**स्थान**	**स्वीकृत राशि (लाख रुपए में)**
बिहार	पटना	302.695
झारखंड	रांची	1500.00
	गुमला	750.00
	बोकारो	750.00
	देवघर	750.00
	पलामू	750.00
	दुमका	750.00
	जमशेदपुर	1500.00